मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 198, मुंबई, गुरुवार, 15 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

रक्षा बुलियन और क्लासिक मार्बल के ठिकानों पर
ईडी की छापेमारी
91 किलो सोना और 340 किलो चांदी जब्त

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने रक्षा बुलियन और क्लासिक मार्बल दो कंपनियों के ठिकानों पर छापा मारकर 91.5 किलो सोना और 340 किलो चांदी जब्त की है। जब्त किए गए सोने और चांदी की कीमत 47.76 करोड़ रुपये है। बता दें, ईडी के ये रेड पारेख एल्युमिनेक्स लिमिटेड के खिलाफ दर्ज किए गए पीएमएलए मामले से जुड़ी है।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

निजी लॉकरों की चाबियां मिलीं

तलाशी कार्रवाई के दौरान मैसर्स रक्षा बुलियन के परिसर में निजी लॉकरों की चाबियां मिलीं। निजी लॉकरों की तलाशी लेने पर पता चला कि लॉकर का संचालन उचित मानदंडों का पालन किए बिना किया जा रहा था। केवाईसी का पालन नहीं किया गया था और परिसर में कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगाया गया था। कोई इन और आउट रजिस्टर नहीं था। लॉकर परिसर की तलाशी लेने पर पता चला कि 761 लॉकर थे, जिनमें से 3 मैसर्स रक्षा बुलियन के थे। लॉकरों को संचालित करने पर दो लॉकरों में 91.5 किलोग्राम सोना और 152 किलोग्राम चांदी मिली और उसे जब्त कर लिया गया। मैसर्स रक्षा बुलियन के परिसर से अतिरिक्त 188 किलोग्राम चांदी भी जब्त की गई। जब्त सामान की कुल कीमत 47.76 करोड़ रुपये है।

लंपी वायरस का कहर जारी
सतर्क हुई महाराष्ट्र सरकार
बनाएगी टास्क फोर्स और वॉर रूम

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। करोना की तरह फैल रहे लंपी वायरस के खतरे को ध्यान में रखते हुए अब महाराष्ट्र सरकार ने टास्क फोर्स और वॉर रूम बनाने का फैसला लिया है। ऐसी जानकारी महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने मुंबई में दी। इस टास्क फोर्स का प्रमुख, सचिव दर्जे का अधिकारी होगा, जिसे वॉर रूम रिपोर्ट करेगी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पशुओं के आवागमन पर लगी रोकः इस रोग का फैलाव और ज्यादा न बढ़े, इसीलिए फिलहाल हमने अंतरराज्य और अंतर जिला पशुओं के यातायात पर पाबंदी लगाई है। अगर पशु मास की बिक्री करनी हो तो उस पशु का मेडिकल सर्टिफिकेट होना जरूरी होगा, जिससे उस पशु का मास खाकर लोगों में बीमार न हो। महाराष्ट्र के जलगाव में अभी तक 17 पशुओं की मौत हुई है और अहमदनगर में 14 पशुओं की मौत हुई है।

बस हादसे में 12 लोगों की मौत
अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी बस, 30 घायल, 5 को जम्मू एयरलिफ्ट किया गया

मुंबई हलचल / संवाददाता

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बुधवार को एक बस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 30 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें मंडी और पुंछ के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सेना के साथ स्थानीय लोगों ने बस में फंसे घायल यात्रियों को बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। घायलों में से 5 लोगों को जिला अस्पताल से जम्मू के जीएमसी हॉस्पिटल में एयरलिफ्ट किया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई में शादी का झांसा देकर अभिनेत्री से दुष्कर्म करने के आरोप में बिल्डर गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने एक अभिनेत्री को शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में एक बिल्डर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक आरोपी आदित्य अजय कपूर उपनगरीय बांद्रा में एक दोस्त के आवास पर 24 वर्षीय अभिनेत्री से मिला था। पीड़ित अभिनेत्री कुछ तेलुगु फिल्मों में काम कर चुकी है।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ई-वाहन सुरक्षा

तेलंगाना के सिकंदराबाद में सोमवार देर रात एक इलेक्ट्रिक व्हीकल शोरूम में लगी आग से आठ लोगों की दर्दनाक मौत की घटना ने ऐसे वाहनों की यांत्रिकी और प्रशासनिक लापरवाही, दोनों को सवालों के घेरे में ला दिया है। प्रशासनिक लापरवाही तो आपराधिक स्तर की है, क्योंकि प्रारंभिक ब्योरों के मुताबिक, ई-बाइक का शोरूम रूबी प्राइड लग्जरी होटल के भूतल में चल रहा था। दुर्घटना के वक्त होटल में कई लोग ठहरे हुए थे। चूंकि यह होटल स्टेशन से सटा हुआ है, इसलिए हादसे के शिकार हुए ज्यादातर लोग बाहरी बताए जाते हैं। जाहिर है, मृतकों के परिजनों व घायलों के लिए केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से मुआवजे की घोषणा कर दी गई है, जांच के आदेश का कर्मकांड भी पूरा हो गया है। लेकिन असली सवाल यह है कि इस किस्म के हादसों को रोकने के लिए प्रशासनिक तंत्र अब कितनी ईमानदारी बरतेगा? अगर पिछली घटनाओं से कोई सबक सीखा गया होता, तो क्या एक होटल के नीचे ऐसे शो-रूम चलाने की इजाजत मिली होती? और अगर वह गैर-कानूनी रूप से चल रहा था, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जिम्मेदारी किसकी थी? सिकंदराबाद हादसे का जो सबसे गंभीर पहलू है, वह ई-वाहनों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। पिछले कुछ महीनों के भीतर ई-वाहनों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अप्रैल में तमिलनाडु में एक ऐसी ही घटना घटी थी, जिसमें ई-बाइक की बैटरी चार्ज करने के दौरान लगी आग में पूरा शो-रूम जलकर राख हो गया था। इसलिए परिवहन मंत्रालय को अपनी तरफ से सिकंदराबाद हादसे की जांच करानी चाहिए। इस संदर्भ में चिंता की बात यह है कि नामचीन कंपनियों के ई-वाहनों में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। पर्यावरण पर बढ़ते खतरों, प्रदूषण और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण महानगरों व बड़े. शहरों का भविष्य ई-वाहनों पर निर्भर करेगा। इनकी तरफ आम लोगों का रुझान बढ़ना स्वाभाविक है, फिर खुद सरकार ऐसे वाहनों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर रही है। 19 मार्च तक देश में 10.6 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हो चुका था। ऐसे में, जरूरी है कि इनकी यांत्रिकी में त्रुटि संबंधी शंकाओं को पूरी तरह दूर किया जाए। तेलंगाना की ताजा घटना सरकारों के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि आवासीय परिसरों के आस-पास चलने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की निगरानी किस कदर जरूरी है। हालांकि, यह वारदात सामाजिक उदासीनता का भी गंभीर उदाहरण है। आखिर जब कोई गैर-कानूनी काम या स्वास्थ्य के लिहाज से हानिकारक गतिविधि हमारे आस-पास शुरू होती है, तब बतौर नागरिक हम प्रशासनिक अमले की कितनी मदद करते हैं? मौजूदा दौर में शायद ही कोई मुहल्ला या इलाका होगा, जहां के लोग किसी व्यवसाय की प्रकृति और वैधानिक स्थिति से पूरी तरह गाफिल हों, लेकिन नागरिक कर्तव्यों के प्रति बढ़ती उदासीनता ने पिछले कुछ वर्षों में मुनाफाखोर तत्वों के हौसले बुलंद किए हैं। तंत्र में पैठे भ्रष्ट तत्वों के साथ मिलकर वे धड़ल्ले से गैर-कानूनी कारोबार कर रहे हैं। कोई भी व्यवस्था सिर्फ कायदे-कानून बना देने से प्रभावी नहीं होती, वह अधिकार चेता नागरिकों की बदौलत ही सफल होती है। तरक्की की बुलंदी पर पहुंचने के लिए देश को इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ सजग नागरिक-संस्कृति की भी दरकार है। तभी सिकंदराबाद जैसे हादसों को हम टाल सकेंगे।

धर्मस्थलों का विवाद कब थमेगा?

आखिर कानून कोई पत्थर पर लिखी इबारत तो नहीं है। कानून तो वहीं है, जो अदालत में तय होता है। इसलिए सिर्फ कानून के सहारे इसे नहीं सुलझाया जा सकता है। हिंदू-मुस्लिम की यह ग्रंथि इतनी पुरानी और जनमानस में इतने गहरे बैठी है कि जरा से उकसावे पर बेहद विकृत रूप में सामने आ जाती है। सो, कानून के साथ साथ पहली जरूरत हर किस्म के उकसावे को रोकने की है। इसके बाद धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल रोकना होगा और सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने वाले गंभीर उपाय करने होंगे।

अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद ऐसा लगा था कि अब सब कुछ ठीक हो जाएगा। अब किसी धर्मस्थल को लेकर कोई विवाद नहीं होगा। इतिहास अपने को नहीं दोहराएगा। आखिर संसद से मंजूर एक धर्मस्थल कानून भारत के पास है और दूसरे उस कानून में जिस एक धर्मस्थल को अलग रखा गया था उसका फैसला देश की सर्वोच्च अदालत ने कर दिया। राम जन्मभूमि पर भव्य राममंदिर का निर्माण भी शुरू हो गया। इन सबके बीच राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं के नसीहत देते हुए कहा कि 'हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना'। यह भी सद्भाव बढ़ाने और विवादों को विराम देने वाला बयान था। तभी इतिहास दोहराए जाने की संभावना समाप्त हो गई थी। परंतु त्रासदी यह है कि इतिहास अपने को दोहरा रहा है। एक के बाद एक धर्मस्थलों के विवाद शुरू हो रहे हैं। अदालतें उनमें दखल दे रही हैं और 1991 में बने धर्मस्थल कानून की नई व्याख्याएं हो रही हैं। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद से जुड़े विवाद में यहीं हुआ है।

स्थानीय स्तर पर कुछ महिलाओं ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में स्थित मां श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा-अर्चना के लिए एक याचिका जिला अदालत में दायर की। अदालत ने सिर्फ इसे स्वीकार किया, बल्कि मस्जिद परिसर के सर्वे का आदेश भी दे दिया। उस सर्वे में एक शिवलिंग मिलने की बात आई। हिंदू पक्ष ने उसे शिवलिंग बताया तो मुस्लिम पक्ष ने उसे फव्वारा कहा। अदालत ने उस ढांचे को सील करने और यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। मुस्लिम पक्ष इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो सुप्रीम कोर्ट ने उनकी आपत्तियों को खारिज कर दिया। धर्मस्थल कानून की व्याख्या करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस कानून में कहा गया है कि 1947 से पहले के सारे धर्मस्थलों के मामले में यथास्थिति बनाए रखी जाएगी लेकिन इसमें किसी धर्मस्थल की प्रकृति तय करने से नहीं रोका गया है। वाराणसी की अदालत ने अपने फैसले में दोहराया और यह भी कहा कि अभी तो सिर्फ नियमित पूजा-अर्चना की इजाजत मांगी गई है, किसी ने उस पर दावा नहीं किया है। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की व्याख्या ऐसी है, जिससे कानून का पूरा मकसद फेल हो सकता है। अगर कानूनी रूप से किसी धर्मस्थल की प्रकृति तय कर दी जाएगी तो फिर किसी भी समुदाय को उस पर दावा करने कैसे रोका जाएगा? मिसाल के तौर पर ज्ञानवापी को ही लिया जाए। अभी तो कयास लगाया जा रहा है या धार्मिक ग्रंथों और परिस्थितिजन्य सबूतों के आधार पर हिंदू पक्ष कह रहा है कि मस्जिद का पूरा परिसर किसी समय मंदिर का हिस्सा रहा है और मुस्लिम शासकों या हमलावरों ने मंदिर तोड़ कर उस जगह पर मस्जिद का निर्माण कर दिया है। मस्जिद परिसर में कई संरचनाएं ऐसी हैं, जिनसे उसके मंदिर होने का आभास होता है। इसी वजह से 1993 से पहले तक मस्जिद परिसर में मां श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा होती थी और उसके बाद साल में एक बार पूजा होने लगी। इसका मतलब है कि मस्जिद परिसर में हिंदू देवी-देवताओं मूर्तियों की मौजूदगी स्वीकार की गई है। अब अगर यहीं बात कानूनी रूप से और ऐतिहासिक या पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर अदालत में साबित हो जाती है फिर हिंदू पक्ष को उस पर दावा करने से कैसे रोका जाएगा? यह साबित होने के बाद कि ज्ञानवापी मस्जिद परिसर पहले मंदिर रहा है, धर्मस्थल कानून के आधार पर उसकी यथास्थिति बनाए रखना क्या संभव हो पाएगा? ध्यान रहे बिल्कुल ऐसी ही स्थिति मथुरा में भगवान कृष्ण की जन्मस्थली के पास स्थित शाही ईदगाह को लेकर भी पैदा हो गई है। उस मामले में भी अदालत ने हिंदू पक्ष की याचिका स्वीकार कर ली है और उसकी प्रकृति तय करने पर सुनवाई करने का फैसला किया है।

वहां भी अगर ऐतिहासिक सबूतों और पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर यह साबित हुआ कि शाही ईदगाह मस्जिद पहले मंदिर का हिस्सा रही है तो हिंदुओं को उस पर दावा करने से कैसे रोका जा सकेगा? क्या तब धर्मस्थल कानून लागू करना संभव होगा? क्या फिर इससे धर्मस्थलों के विवाद का पंडोरा बॉक्स नहीं खुल जाएगा? कई संगठनों ने पहले दावा किया है कि ऐसे 50 हजार धर्मस्थलों की सूची है, जिन पर हिंदू दावा कर सकते हैं। सोचें, अगर हर जगह धर्मस्थल कानून की इस नई व्याख्या के मुताबिक धर्मस्थलों की प्रकृति तय करने का काम होने लगा तो क्या स्थिति होगी? अब सवाल है कि इसका क्या रास्ता है? एक रास्ता तो यह है कि मुस्लिम समुदाय खुद आगे बढ़ कर काशी और मथुरा की मस्जिदें हिंदुओं को सौंप दें। भले ऐसे 50 हजार धर्मस्थलों की सूची मौजूद हो, जो पहले मंदिर रहे हैं और बाद में उनको तोड़ कर मस्जिद बना दिया गया हो लेकिन काशी और मथुरा का मामला अलग है। हिंदू मान्यता के मुताबिक काशी भगवान शिव के त्रिशूल पर स्थित दुनिया का सबसे पुराना शहर है। भगवान शिव खुद वहां निवास कर सकते हैं। इसी तरह मथुरा भगवान कृष्ण की जन्मभूमि भी है और लीलाभूमि भी है। उसी तरह जैसे अयोध्या भगवान राम की जन्मभूमि है और इसलिए हिंदू आस्था से बहुत गहरे जुड़ी है, काशी और मथुरा भी हिंदू आस्था से बहुत गहरे जुड़े हैं। दूसरी बात यह है कि इन दोनों जगहों पर मस्जिद का अतिक्रमण बहुत साफ साफ दिखता है।

तभी हिंदू संगठन बार बार कहते हैं कि काशी और मथुरा से कोई समझौता नहीं हो सकता है। इसका मतलब है कि बाकी जगहों से समझौता किया जा सकता है। सो, अगर लंबे कानूनी विवाद को टालना है और किसी भी तरह के सामाजिक विद्वेष को फैलने से रोकना है तो एक रास्ता यह है कि मुस्लिम समुदाय आगे बढ़ कर दोनों मस्जिद हिंदुओं को सौंप दे। उसके बाद क्या होगा? क्या उसके बाद सारे विवाद समाप्त हो जाएंगे? इसकी गारंटी कौन करेगा? धर्मस्थल कानून बनने के बाद 1991 में भी यहीं सोचा गया था कि अब अयोध्या के बाद किसी और मंदिर-मस्जिद का विवाद नहीं होगा। लेकिन तब भी कहा जा रहा था कि 'अयोध्या तो झांकी है मथुरा-काशी बाकी है'। अब विवाद मथुरा और काशी पर केंद्रित हो गया है। क्या पता वोट और चुनाव की राजनीति आने वाले दिनों में कहीं और इस तरह के विवाद शुरू कराए। आखिर कर्नाटक में बेंगलुरू और हुबली दोनों जगह ईदगाह मैदान में गणेश उत्सव कराने का विवाद शुरू हो गया है। क्या किसी नए कानून से इसका समाधान निकलेगा? इसकी भी संभावना कम है क्योंकि मुस्लिम समुदाय पिछले तीन दशक से एक कानून के सहारे ही तो था लेकिन एक झटके में उनका भरोसा टूट गया। यह भी ध्यान रखने की बात है कि 1991 के धर्मस्थल कानून को इसी महीने नौ सितंबर को चुनौती दी गई है। चार अलग अलग याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर कर इस कानून को चुनौती दी गई है। चीफ जस्टिस की बेंच ने इसे संविधान पीठ को भेजने का संकेत दिया है। सो, संभव है कि कानून बदल जाए। आखिर कानून कोई पत्थर पर लिखी इबारत तो नहीं है। कानून तो वहीं है, जो अदालत में तय होता है। इसलिए सिर्फ कानून के सहारे इसे नहीं सुलझाया जा सकता है। हिंदू-मुस्लिम की यह ग्रंथि इतनी पुरानी और जनमानस में इतने गहरे बैठी है कि जरा से उकसावे पर बेहद विकृत रूप में सामने आ जाती है। सो, कानून के साथ साथ पहली जरूरत हर किस्म के उकसावे को रोकने की है। इसके बाद धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल रोकना होगा और सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने वाले गंभीर उपाय करने होंगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आप पार्टी के डॉ अल्तमश फैजी ने कहा टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी को मुंब्रा कलवा दिवा में प्रवेश करने के लिए सत्ताधारी पार्टी द्वारा लिए गए दो करोड़ रुपए

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 14 सितंबर बुधवार आप पार्टी का टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के बढ़ते बिल, मीटर में छेड़छाड़, ग्राहकों के साथ चीटिंग को लेकर ग्राहकों पर फर्जी एफआईआर को लेकर दबाव बनाना और बाद में सेटलमेंट करना लचर सुविधा को लेकर 8 घंटा बिजली गुल को लेकर इस तरह की तमाम मुद्दे को लेकर टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध में धरना प्रदर्शन करना था इन तमाम मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय अखबार दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान से बात करते हुए उन्होंने बताया टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी की काफी शिकायतें हम तक पहुंच रही थी इनमें ज्यादातर शिकायतें हैं बढ़ाकर बिल भेजना मीटर में छेड़छाड़ खुद टोरेंट पावर कंपनी के कर्मचारी ही करते हैं और बाद में ग्राहकों पर झूठा एफआईआर का दबाव बनाना लंबा चौड़ा बिल भेजना और बाद में दलालों के जरिए सेटलमेंट कराना जबरन सही मीटर बदली करना बिना ग्राहकों को सूचित किए मेंटेनेंस के नाम पर 8 घंटा बिजली गुल करना इन तमाम मुद्दों को लेकर आज हम लोगों ने धरना प्रदर्शन करना था जिसमें भिवंडी से भी हमारे लोग आ रहे थे लेकिन सत्ताधारी पार्टी द्वारा पुलिस

प्रशासन पर दबाव बनाया जाता है और हम लोगों को 149 का नोटिस दिया जाता है उन्होंने कहा ऐसा पहली मर्तबा नहीं है कि हम लोगों को नोटिस दिया गया हो जब भी हम धरना प्रदर्शन करने के लिए बैठते हैं चाहे वह टोरेंट का मामला हो या सरकारी अस्पताल का मामला हो या कोई अन्य मुद्दा हो जब भी हम सड़कों पर उतरने की बात करते हैं हम लोगों को 149 का नोटिस आ जाता है यह सब सत्ताधारी पार्टी का षड्यंत्र है क्योंकि सत्ताधारी पार्टी की बदौलत आज मुंब्रा कलवा दिवा मै टोरेंट का प्रवेश हुआ है क्योंकि टॉरेंट पावर लिमिटेड कंपनी ने बतौर पार्टी फंड के दो करोड़ रुपया सत्ताधारी पार्टी को दिया गया है और यही कारण है मुंब्रा कलवा दिवा के अलावा भिवंडी में भी आज टोरेंट आई है उसका मुख्य कारण एनसीपी है उन्होंने एनसीपी पर खड़ा निशाना साधते हुए कहा एनसीपी का और टोरेंट पावर कंपनी का पुराना याराना है जिसका खामियाजा गरीब जनता को भुगतना पड़ रहा है उन्होंने कहा मेरे साथ में भी टोरेंट कंपनी द्वारा षड्यंत्र रचा जा रहा है मेरे घर का मीटर जिसमें टोरेंट पावर कंपनी के कर्मचारी द्वारा खुद छेड़छाड़ किया जा रहा है वह तो गनीमत रही कि मेरे लोगों द्वारा वीडियो निकाल लिया गया है नहीं तो यह मुझ पर ही मीटर में छेड़छाड़ करने का आरोप लगा देते हैं फिलहाल हमारी टोरेंट पावर कंपनी से यह मांग है अब तक जिन ग्राहकों पर आपने एफआईआर किया है वह सब वापस लिए जाएं, टैंपरिंग का मामला खत्म किया जाए चार्जेस ना बनाए जाएं, मीटर जब बदली करें तो घर के जिम्मेदार व्यक्ति के सामने करें, मीटर को जबरन बदली ना किया जाए जब तक कि कोई ठोस कारण ना हो, डिजिटल मीटर है फास्ट और स्लो दोनों हो सकते हैं स्लो होने पर अतिरिक्त बिल लेते हैं तो फास्ट होने पर क्षतिपूर्ति भी दिया जाए, मीटर टेस्ट रिपोर्ट उपभोक्ताओं को दिया जाए, मेंटेनेंस के नाम पर 8 घंटा लोड शैडिंग तुरंत बंद किया जाए यह तमाम मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी द्वारा टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करना था परंतु पुलिस प्रशासन द्वारा 149 का नोटिस देते हुए धरना प्रदर्शन को रद्द कर दिया गया है उन्होंने कहा है कि अब हम जनता के साथ मिलकर हस्ताक्षर अभियान आप पार्टी द्वारा चलाया जाएगा और इसकी शिकायत एमईआरसी को की जाएगी जनता के बारे में सड़कों पर उतरने को लेकर पत्रकार समद खान द्वारा किया गया सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि शहर की जनता गरीब है और रोज कामकाज के लिए मुंबई जाना पड़ता है और आज वर्किंग डे है इसी कारण जनता सड़कों पर नहीं आ पा रही है लेकिन हमारी पूरी कोशिश है और यकीन है कि बहुत जल्द ही मुंब्रा शहर की जनता टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध में सड़कों पर नजर आएगी आप पार्टी के धरना प्रदर्शन में डॉक्टर अल्तमश फैजी के साथ समस्त कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुंबईः नाबालिग लड़की का यौन शोषण करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। दक्षिण मुंबई स्थित एक स्कूल परिसर में नाबालिग लड़की का पीछा करने और उसका यौन शोषण करने के आरोप में पुलिस ने स्कूल के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह मामला प्रकाश में तब आया जब 15 साल की छात्रा के माता-पिता ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा और गामदेवी स्थित स्कूल से संपर्क किया जहां वह पढ़ती है। अधिकारी ने कहा कि पांच सितंबर को स्कूल के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ने लड़की को अकेला पाकर गलत तरीके से कथित तौर पर स्पर्श किया। उन्होंने बताया कि इसके बाद से 28

वर्षीय आरोपी स्कूल नहीं आया। उन्होंने कहा कि स्कूल ने इस संबंध में गामदेवी पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने स्कूल परिसर में कथित तौर पर कई बार छात्रा को परेशान किया था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने छात्रा के मोबाइल फोन पर वीडियो कॉल भी किया था। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ शुक्रवार को भारतीय दंड संहिता, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण कानून (पॉक्सो) और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और अदालत में पेश किया। उन्होंने बताया कि अदालत ने उसे 14 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

रक्षा बुलियन और क्लासिक मार्बल के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

पारेख एल्युमिनेक्स लिमिटेड पर अलग-अलग बैंकों से 2,296 करोड़ रुपये लोन लेकर चूना लगाने का आरोप है। इसी मामले में 2019 में अलग-अलग दो छापों में 46.97 करोड़ और 158.26 करोड़ भी जब्त किए गए थे। इससे पहले, ईडी ने पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत 8 मार्च 2018 को मैसर्स पारेख एल्युमिनेक्स लिमिटेड के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। आरोप था कि कंपनी ने बैंकों को धोखा दिया और 2296.58 करोड़ का ऋण लिया। इसके बाद उक्त पैसे को विभिन्न कंपनियों के माध्यम से लेयरिंग करके निकाल दिया गया। असुरक्षित ऋण और निवेश प्रदान करने के संदर्भ में धन को विभिन्न खातों में भेजा गया था। वहीं ऋण लेने का उद्देश्य नहीं था और इस तरह के लेनदेन के लिए कोई समझौता नहीं था।

लंपी वायरस का कहर जारी

24 घंटे चलने वाली ये वॉर रूम किसानों की मदद के लिए तत्पर होगी।लंपी वायरस के बारे में किसी भी तरह की मदद अगर किसानों को चाहिए होगी तो वो इस वॉर रूम के माध्यम से मिलेगी। टास्क फोर्स लंपी वायरस का हर दिन का डेटा मॉनिटर करेगी। वैक्सीनेशन कितना हुआ है, कहां वैक्सीन की जरूरत है? इस पर वॉर रूम के माध्यम से नजर रखी जाएगी। अभी तक लंपी वायरस महाराष्ट्र के 21 जिलों में फैल गया है, जिससे अब तक 43 पशु की मौत हुई है। कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि महाराष्ट्र में हुई पशुओं की मौत की संख्या दूसरे राज्य से बहुत ही कम है, क्योंकि जबसे इसका फैलाव हुआ है, तब से हमने वैक्सीन प्रोग्राम हाथ में लिया है। राजस्थान में तकरीबन 50 हजार पशुओं की मौत हुई है। अभी तक पांच लाख पशुओं की वैक्सीन महाराष्ट्र में मील है। इन पशुओं के दूध को लेकर लोगों में भय और सम्भ्रम है, लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि बाधित पशु से मिलने वाला दूध अगर किसी ने पिया तो उसे कोई बाधा नहीं होती। कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि लोगों को और एक बात मैं बताना चाहता हूं कि महाराष्ट्र में कहीं पर भी दूध की कमी नहीं है। दूध उत्पादन में भी कोई कमी नहीं हुई है। लंपी के नाम पर जो दूध की कमी जान बूझकर पैदा कर रहे हैं, उन पर सरकार कड़ी नजर रखे हुए है। ऐसे व्यक्तिओं पर जल्द ही कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में शादी का झांसा देकर अभिनेत्री से दुष्कर्म करने के आरोप में बिल्डर गिरफ्तार

अधिकारी के मुताबिक उन्होंने फोन नंबरों का आदान-प्रदान किया और लगातार एक-दूसरे के संपर्क में रहे। समय के साथ वे एक-दूसरे के करीब हो गए। पुलिस अधिकारी ने प्राथमिकी (एफआईआर) के हवाले से कहा, आदित्य अजय कपूर ने शादी का वादा कर महिला से शारीरिक संबंध बनाए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कपूर ने कफ परेड इलाके में अपने आवास पर और गोवा में भी उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस अधिकारी ने प्राथमिकी के हवाले से कहा, जब अभिनेत्री ने शादी के लिए कहा, तो आरोपी ने जोर देकर कहा कि वह उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए रखे। जब उसने मना किया, तो उसने गाली देना और मारपीट करना शुरू कर दिया। उसने पीड़िता के माता-पिता के फोन नंबरों पर अश्लील संदेश भेजे और उसे जान से मारने की धमकी दी। प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने पुलिस से संपर्क किया। कपूर को दुष्कर्म और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

बस हादसे में 12 लोगों की मौत

मंडी तहसीलदार शहजाद लतीफ के मुताबिक, दुर्घटना सवजियां के पास सुबह करीब साढ़े 8 बजे हुई। मिनी बस (खड12-1419) मंडी से सवजियां जा रही थी। बस जैसे ही सवजियां के पास बरारी बल्लाह पहुंची, ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और गहरी खाई में जा गिरी। मौके पर ही 9 लोगों की मौत हो गई थी। बाकी 4 लोगों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

न्यूड होकर दूसरे के घर में घुसा युवक, नाबालिग से की छेड़खानी, विरोध पर महिलाओं को पीटा

मुंबई। पुणे में एक शख्स पर नग्न अवस्था में महिला के घर में घुसकर उसकी बहन और नाबालिग बेटी के साथ छेड़खानी का आरोप लगा है। दत्तावाड़ी पुलिस के अनुसार महिला और पुरुष एक-दूसरे को जानते थे क्योंकि वे एक ही झुग्गी बस्ती में रहते थे। फिलहाल पुलिस ने महिला के घर में बिना कपड़े पहने घुसने, उसकी बहन के साथ बदसलूकी करने और नाबालिग बेटी (17) से छेड़छाड़ करने के आरोप में 22 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुणे पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। हालांकि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कहा कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। दत्तावाड़ी पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक अभय महाजन ने कहा कि महिलाओं की शिकायत के अनुसार अपने घर में एक व्यक्ति को अचानक घुसते हुए देखकर, वह भी नग्न अवस्था में, वह खबरा गई। इस दौरन वह उन्हें गाली भी दे रहा था। आरोप है कि जब उसने नाबालिग लड़की पर हमला किया तो महिला की बहन ने उसका विरोध किया तो उसने मारपीट की और उसे एक तरफ धकेल दिया। इसके बाद नाबालिग के साथ छेड़खानी की। वहीं महिलाओं ने जब शोर मचाया तो वह फरार हो गया।

श्री बाल गोपाल मित्र मंडल, पारेख नगर (कांदिवली पश्चिम) ने गणेशोत्सव 2022 को पूरे हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाया

मुंबई। श्री राजेश सिंह (अध्यक्ष) ने कहा कि, 'दो वर्षों के बाद इस आयोजन को मनाना वास्तव में एक महान कार्य था, अधिक आनंदमय वातावरण के साथ और बिना किसी बाधा के हम इसे सफलतापूर्वक कर सके।' पारेख नगर के निवासी उत्सव के साथ मंत्रमुग्ध हो गए, जो पहले दिन गणेश पूजा के साथ शुरू हुआ, उसके बाद भजन, सत्यनारायण पूजा, लोक दयारो, छप्पन भोग और महा आरती हुई। श्री अल्पेश अजमेरा, निदेशक अजमेरा ग्रुप ऑफ कंपनीज ने गणेश पंडाल का दौरा किया और बप्पा का आशीर्वाद लिया। पंडाल ने श्री मंगेश नाइक (26/11 हीरो) जैसे मेहमानों का सम्मान किया था। श्री दिलशाद एस. खान (संपादक – दै. मुंबई हलचल), श्री निखिल व्यास (महासचिव- भाजपा), श्री योगेश पटेल, श्रीमती सेजल प्रशांत देसाई (नगरसेविका वार्ड संख्या 35), श्री केतन सोनी (राज कंप्यूटर अकादमी), श्री प्रमोद घग (सचिव – भाजपा), और श्री विक्रम बुढेलिया (महासचिव- मुंबई युवा कांग्रेस)। श्री बाल गोपाल मित्र मंडल उन सभी को पाकर गौरवान्वित और सम्मानित महसूस कर रहा था। विसर्जन जुलूस आंसुओं और दुखों के साथ शुरू हुआ लेकिन इस संतोष के साथ कि पारेख नगर के युवा इसे भव्य तरीके से कर पाए। टीम ने अंत में कहा, 'यह 29वां वर्ष था, अगले वर्ष 30वां वर्ष होगा जो इस वर्ष की तुलना में अधिक भव्य तरीके से मनाया जाएगा क्योंकि 30 वर्ष स्वस्थ अस्तित्व का जश्न मनाने लायक है।'

मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। आजादी का अमृत महोत्सव स्वस्थ भारत अभियान डेंगू मलेरिया एवं कोविड-19 की रोकथाम के लिए मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड अरेरा हिल्स भोपाल मैं कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा दो दिवसीय नि.शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया कोविड-19 टीकाकरण का प्रथम द्वितीय एवं बूस्टर डोज 150 लोगों ने लगवाया शासकीय मलेरिया डिपार्ट मेंट की टीम के द्वारा डेंगू की जानकारी एवं मलेरिया की जांच किया गया डेनएशिया डेंटल हॉस्पिटल की टीम के डॉक्टरों द्वारा दंत चेकअप किया गया आई चेक अप प्रकाश नेत्रालय हॉस्पिटल की टीम के द्वारा आई चेकअप किया गया मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन के द्वारा सभी डॉक्टरों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज को सर्टिफिकेट एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया संस्था निरंतर स्वास्थ्य पर कार्य कर रही है स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग करें अपना चेकअप जरूर कराएं जिन लोगों ने टीकाकरण अभी तक नहीं करवाया है अपना टीकाकरण जरूर कराएं एक छोटा सा प्रयास स्वस्थ जीवन का आधार।

आने वाले समय में बड़ने लगेंगी डेंगू के मरीजो की संख्या को देखते हुए सभी राजस्थान के क्षेत्रों में टीमे गठित की

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। जोधपुर वाय एस एस बल्ड ग्रुप जोधपुर के अध्यक्ष नदीम बक्ष ने बताया ग्रुप के सभी सदस्यों की बैठक हुई जिसमे की आने वाले कुछ ही समय बाद डेंगू के मरीजो की संख्या मे इजाफा हो सकता है इसी को देखते हुए वाय एस एस बल्ड ग्रुप जोधपुर की पुरी टीम व ग्रुप के तमाम रक्त दाताओ को जागरूक किया गया जिससे किसी भी मरीज को आने वाले समय मे डेंगू मरीजो के लिए प्लेटलेटस एसडीपी बल्ड की व्यवस्था आसानी से करवाई जा सके टीम को लेकर जागरूक करके सबको अपनी अपनी जिम्मेदारी क्षेत्र के हिसाब से सौंपी गई ताकि हर डेंगू के मरीजो को एसडीपी बल्ड की जरूरत को आसानी से पुरा किया जा सके बक्ष ने सभी गुड प्लेटलेटस के रक्त दाताओ को आपातकालीन स्थिति मे तुरंत प्रभाव डेंगू के गंभीर मरीज तक पहुंचने के विशेष अनुरोध किया।

नवरत्न परिवार का युवा स्नेह मिलन समारोह

17-18 सितम्बर को गोरेगांव मुंबई में आचार्य श्री विश्वरत्न सागर म.सा. की निश्रा में होगा

मुंबई हलचल / विनोद सांवला हरवार

नीमच। जैन समाज की युवा शक्ति को संगठित कर उनकी सकारात्मक उर्जा को जैन समाज के उत्थान ओर परम्पराओं ओर संस्कृति को निरन्तरता देने युवाओं के माध्यम से जिनशासन की सेवा करने ओर युवाओं को प्रेरित कर शक्ति का सदुपयोग कर आगे बढ़ाने का सपना संजोने वाले परम पूज्य आचार्य, भोपावर तीर्थोद्धारक, मालव भूषण, महान तपस्वी श्री नवरत्न सागर सूरीश्वर जी द्वारा ऐसे युवाओं को संगठित कर नवरत्न परिवार का गठन परम पूज्य आचार्य श्री विश्वरत्न सागर जी के मार्गदर्शन में 14 वर्ष पूर्व किया गया था। नवरत्न परिवार के राष्ट्रीय प्रबंधक संदीप डांगी ने बताया नवरत्न परिवार का राष्ट्रीय स्नेह मिलन समारोह आचार्य श्री के निश्रा में एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेश जी जैन (डग वाला) की अध्यक्षता में होने जा रहा है इस कडी में इस वर्ष का महाअधिवेशन भारत की ओद्योगिक नगरी मुम्बई के श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ देरासर में दो दिवसीय 17-18 सितम्बर को आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रम में शासन ध्वज वंदन से प्रारम्भ होगा प्रमुख रूप से युवा सशक्तिकरण के लिए एक प्रयास सहित समाज के युवाओं को आओं हम सब मिलकर समाज निर्माण करे जाहिर प्रवचन गर्व से कहो हम सब जैन है आदि रचनात्मक मार्गदर्शन युवाचार्य श्री विश्वरत्नसागर सूरी जी अपने मुखारविन्द प्रदान करेंगे वही उनके शिष्यरत्न मुनी श्री कीर्तिरत्न सागर सूरी एवं मुनि श्री तीर्थरत्नसागर सूरी जी म. सा. भी युवाओं को विशेष प्रेरणा ओर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में मोटीवेशन स्पीकर संजय भाई थार जिनशासन तुझपे कुर्बान मेरी जान एवं भारत के प्रसिद्ध संगीत सम्राट नरेन्द्र वाणीगोता युवाओं को अपने सुमधुर भजनों पर झुमायेंगे। इस आयोजन में अनेक सुप्रसिद्ध हस्तियां कार्यक्रम में शामिल होकर अपने मार्गदर्शन ओर व्यवसाय में वर्तमान चुनोती आदि कई विषयों पर युवाओं को प्रेरित करेंगे। युवाओं को संगठन ओर समाज के उत्थान में जोड़ने के उद्देश्यों को लेकर नवरत्न परिवार द्वारा युवाओं का मिलन समारोह आयोजित किया जा रहा है जिसमें भारत भर के जैन युवाओं को पधारने का आव्हान नवरत्न परिवार की राष्ट्रीय व प्रादेशिक कार्यकारिणी द्वारा किया गया। नवरत्न परिवार में जुडे.युवा जिनशासन के अनेकों महत्वपूर्ण कार्यों को करने में हमेशा अग्रसर रहता है नवरत्न परिवार का स्नेह मिलन सम्मेलन को युवा स्नेह मिलन समारोह का रूप दिया गया है। यह महाकुंभ युवा आचार्य परम पूज्य युवा हृदय सम्राट सूरी मंत्र आराधक श्री विश्वरत्नसागर सूरीश्वर जी महाराज साहब की पावन निश्रा एवं मार्गदर्शन में होगा हजारों युवा मुंबई महानगर में एकत्रित होंगे।

मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक दबंग पत्रकार राठौड़ अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के राजस्थान प्रभारी नियुक्त

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड

राजस्थान। मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक एवं भीलवाड़ा जिले की आसींद तहसील के कालियास निवासी युवा एवं दबंग तेज तर्रार पत्रकार भैरु सिंह राठौड़ को 'अखण्ड वेलफेयर एसोसिएशन भारत' का राजस्थान प्रभारी/संयोजक बनाया गया है। पत्रकार राठौड़ की यह नियुक्ति अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलोत ने की है।नव नियुक्त प्रदेश प्रभारी राठौड़ ने इस नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलोत का हार्दिक आभार जताया हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष गहलोत ने नव नियुक्त प्रदेश प्रभारी राठौड़ को राजस्थान में कार्यकारिणी का गठन करने के लिए निर्देशित किया है। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में संगठन विस्तार के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। गौरतलब है कि राठौड़ अपने क्षेत्र में स्पष्ट, बेखौफ और दबंगता से लिखने के लिए जाने जाते हैं। 2002 में दैनिक नवज्योति से अपनी पत्रकारिता की शुरूआत करने वाले राठौड़ कई राष्ट्रीय समाचार पत्रों दैनिक अमर स्तंभ (संपादक राजस्थान), दैनिक दि ग्राम टुडे (समाचार संपादक), दैनिक जम्मु परिवर्तन (राजस्थान प्रभारी), दैनिक मरुधर आवाज (ब्यूरो चीफ भीलवाड़ा), अमृत राजस्थान (साप्ताहिक) जयपुर, पृथ्वी मंथन (पाक्षिक) सिरोही, किसान फीचर्स (मासिक) नई दिल्ली आदि समाचार पत्रों में पुर्व में काम कर चुके हैं। राठौड़ 2002 में प्रेस क्लब भीलवाड़ा के सदस्य एवं जिला पत्रकार संघ के जिला कार्यकारिणी सदस्य, 2005 में भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष एवं 2007 में करौली, सवाईमाधोपुर, दौसा, भरतपुर के प्रभारी तथा 2022 में राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। राठौड़ प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष के पद पर भी काम कर रहे हैं। राठौड़ वर्तमान में आवाज न्यूज 24 चैनल में (ब्यूरो चीफ भीलवाड़ा), राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक मुंबई हलचल (संपादक राजस्थान), राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र खबर का असर (संपादक राजस्थान), राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अपराध का अंत (संपादक राजस्थान), दैनिक भोपाल मेट्रो न्यूज (सांध्यकालीन), राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक कलयुग की जलती मशाल (संवाददाता) आदि समाचार पत्रों में निर्बाध रूप से कार्यरत हैं। राठौड़ की इस नियुक्ति पर कई इस मित्रों व शुभचिंतकों ने राठौड़ को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

राष्ट्रीय आभूषण पुरस्कार (एनजेए) 2021-22 जूरी राउंड का समापन – 23 सितंबर को ग्रैंड फिनाले के लिए मंच तैयार

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) नेशनल ज्वैलरी अवार्ड्स (एनजेए) 2021-22 के 11वें संस्करण के विजेताओं की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार है क्योंकि इसने ताज, मुंबई में जूरी राउंड का सफलतापूर्वक समापन किया। जूरी सदस्यों में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल थीं: जयकुमार मखीजा (फैशन डिजाइनर), सुश्री विद्या मजूमदार (वैश्विक अनुपालन निदेशक - एचआरडी एंटवर्प, गौतम शाह (उद्यमी और संचालित मुख्य विनिर्माण अधिकारी, 30 वर्षों की अग्रणी उद्योग विशेषज्ञता के साथ) डोमेस्टिक्स एंड इंटरनेशनल में जेम्स एंड ज्वैलरी में), आनंद शाह (आनंद शाह ज्वेल्स), गौतम बनर्जी (गौतम बनर्जी ज्वैलरी), कामाक्षी कुमार (सौराष्ट्र के चूड़ा के युवराज साहेब), सुश्री दीपाल पात्रावाला (उद्यमी), सुश्री पूनम नरूला (टेलीविजन अभिनेत्री)। एनजेए के 11वें संस्करण के विजेताओं की घोषणा 23 सितंबर 2022 को एक भव्य शाम के दौरान की जाएगी। ब्राइड्स प्राइड (गोल्ड/डायमंड/जडाऊ ब्राइडल ज्वैलरी) जैसी कुल 17 श्रेणियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, वस्त्र आभूषण (सोना या हीरा); नए जमाने की महिला आभूषण - 9-से-5 (सोना या हीरा), पारंपरिक आभूषण (कारीगर का गौरव), प्लेटिनम आभूषण, द टच ऑफ कलर (कलरस्टोन ज्वैलरी), द ट्रेजर ऑफ ओशन (पर्ल ज्वैलरी), जिरकोनिया आभूषण, चूड़ी / कंगन / कड़ा, कान की बाली, अँगूठी, गौण, सभी की निगाहें उस पर (पुरुषों के आभूषण), स्टर्लिंग सिल्वर ज्वैलरी और कलाकृतियाँ। एनजेए उत्कृष्टता पुरस्कार, स्टोर पुरस्कार, डिजाइनर पुरस्कार, कारीगर पुरस्कार, वर्ष का छात्र पुरस्कार, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पुरस्कार, महिला उद्यमी पुरस्कार और विशेष पुरस्कार (अनमोल रत्न पुरस्कार, युवा रत्न पुरस्कार और उत्तर, पूर्व के लिए वर्ष का रत्न) भी प्रदान करता है। पश्चिम और दक्षिण)। एनजेए के जूरी राउंड के समापन के बारे में बोलते हुए, आशीष पेठे, अध्यक्ष, जीजेसी ने कहा, जीजेसी का एनजेए पुरस्कार सबसे बड़ा मंच है जो भारत के रत्न और आभूषण क्षेत्र के सभी क्षेत्रों को मान्यता देता है और उनकी सराहना करता है। हमारे उत्कृष्ट डिजाइन उद्योग के छिपे हुए रत्न हैं और एनजेए पुरस्कार इस राष्ट्रीय खजाने को केंद्र-स्तर पर ले जाने के लिए ऊंचा करते हैं। प्रतिभागियों द्वारा किए गए प्रयासों को देखकर खुशी होती है जो भारतीय ज्वैलर्स की प्रतिस्पर्धी भावना को दर्शाता है। एनजेए उद्योग द्वारा उद्योग के लिए पुरस्कार है और मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं। नीलेश शोभावत, संयोजक-एनजेए, जीजेसी ने कहा, हमें इस वर्ष राष्ट्रीय आभूषण पुरस्कारों के लिए व्यापक प्रतिक्रिया मिली है। लोगों ने अपने ज्वैलरी पीस बनाने के लिए बहुत प्रयास किए हैं और हमें 850 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। पूरे देश को उनकी अथक भावना, ऊर्जा और उत्साह की सराहना करनी चाहिए क्योंकि वे कारोबारी माहौल में कई चुनौतियों के बावजूद आगे बढ़ रहे हैं। एनजेए साबित करता है कि भारत में कारीगरों और शिल्पकारों के साथ-साथ युवा छात्रों की प्रतिभा का एक विशाल पूल है जो इस पेशे को अपना रहे हैं। ग्रैंड जूरी राउंड का समापन हो गया है और उद्योग एनजेए के 11वें संस्करण के विजेताओं के पथप्रदर्शक डिजाइनों को देखने के लिए उत्साहित है। प्रतिभागियों को एनजेए के लाभः एनजेए सदस्यों को आभूषण उद्योग में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। यह उद्योग के साथ-साथ बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष ग्राहकों के साथ एक स्थायी इमेजरी बनाने में मदद करता है। एनजेए उद्योग के नवीनतम रुझानों और फैशन के साथ व्यक्तियों के ज्ञान को बढ़ाने में योगदान देता है। एनजेए परोक्ष रूप से उद्योग के डिजाइन और रुझानों के संदर्भ में किसी की क्षमता को प्रोत्साहित करने में मदद करता है। यह सदस्यों को उद्योग में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करता है। एनजेए अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करता है और उद्योग में प्रतिभागियों के लिए एक अप्रयुक्त व्यावसायिक अवसर खोलता है।

वार्ड नंबर 28 में निर्दलीय प्रत्याशी कामिल एडवोकेट ने बिगाड़ा सभी प्रत्याशियों का गणित, मिल रहा है भारी जनसमर्थन

वार्ड 28 के निर्दलीय उम्मीदवार मोहम्मद कामिल एडवोकेट को वार्ड मे मिल रहा है भारी जन समर्थन डोर टू डोर जाकर मांग रहे है मतदाताओ का समर्थन, एक बार सेवा का अवसर देने की बात कहते हुए कामिल एडवोकेट ने लोगो से वोट देने की अपील भी की है। कामिल एडवोकेट के अनुसार वार्ड का किया जायेगा चहुंमखी विकास के साथ साथ वार्ड को सुंदर व स्वच्छ बनाने का लिया संकल्प

संवाददाता/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। जिला पंचायत सदस्य के वार्ड क्र. 28 भारापुर में निर्दलीय प्रत्याशी कामिल एडवोकेट की स्थिति काफी मजबूत नजर आ रही है। बिना किसी निर्वाचित पद में न रहने के बावजूद जनसेवा के प्रति समर्पित रहने का फायदा उन्हें मिल रहा है। इस वजह से वार्ड में उनके पक्ष में बयार बह रही है। वार्ड नंबर 28 इस चुनाव में खासा चर्चे में है। जनहित और वार्ड के विकास के प्रति सकारात्मक सोंच रखने वाले कामिल एडवोकेट इस वार्ड से बतौर निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। वार्ड नंबर 28 भारापुर से कामिल एडवोकेट की जीत सुनिश्चित करने के लिए उनके कार्यकर्ता दिन रात वार्ड में सक्रिय हैं। कामिल एडवोकेट एक साफ-सुथरी छवि वाले व्यक्ति हैं उन्होने किसी पद पर निर्वाचित न होने के बावजूद भी क्षेत्र का और क्षेत्र के लोगों के कार्य किए हैं वह हमेशा क्षेत्र के लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, एक अधिवक्ता होने के साथ ही बिना किसी स्वार्थ के जनहित और जनसेवा में सक्रिय रहते हैं। वह लंबे समय से कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रहें है। इसका लाभ उनको इस चुनाव में मिलता साफ नजर आ रहा है। खासकर दलगत राजनीति से हटकर हर किसी के सुख झ दुख में सहभागिता देने की उनकी शैली इस चुनाव में मतदाताओं के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जनभावना को देख जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रहे कामिल एडवोकेट ने वार्ड के मतदाताओं से वार्ड के चहुमुखी विकास का वादा किया है। जिसमें वार्ड के अंदर सुरक्षा के लिए, शासकीय अस्पताल की स्थापना व टीकाकरण की सुविधा, वृद्धा महिलाओं के लिए पेंशन, भूजल संरक्षण के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, नालियों की सफाई व संधारण, धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कर बाउंड्रीवाल व उद्यान निर्माण, सार्वजनिक डोम शेड, सहित मूलभूत सुविधाओं को बेहतर तरीके से लागू करने का वादा किया है।

◆ मालाड कांदिवली एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित नागिनदास खांडवाला कालेज के एन के सोशल सेल द्वारा शेठ एन एल हाईस्कूल हिंदी विभाग में 250 विद्यार्थियों को शैक्षणिक साहित्य वितरित किया गया। इस दौरान कालेज की वाइस प्रिंसिपल डॉ मोना मेहता, सोशल सेल की इंचार्ज गार्गी दुबे, शीतल देसाई, कविता राणे, पूनम शाह, विशाल भागवे, मिथिलेश मिश्र, दिवाकर मिश्र, संध्या सिंह, मीना कोली, विजयशंकर त्रिपाठी, अपर्णा आप्टे, शशिकांत चोहान समेत अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

जनता से दुर्व्यवहार के खिलाफ कार्यवाही में जुटे कानपुर के एसपी आउटर, दो दारोगा और सिपाही सस्पेंड

संवाददाता/सुनील बाजपेई / कानपुर। रिश्वत की मांग पूरी नहीं करना वाहन धुलाई केंद्र के संचालक और उसके नाबालिग बच्चों को बड़ा महंगा पड़ा। बिधनू पुलिस ने उनकी जमकर पिटाई कर दी, जिसकी जानकारी होने के बाद दो दरोगा और सिपाहियों को भी सस्पेंड कर दिया गया। शिकायत पर जांच में मामले की पुष्टि के बाद यह कार्रवाई पीड़ितों की तत्काल सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली वाले तेजतर्रार और व्यवहार कुशल आउटर पुलिस के मुखिया तेज स्वरूप सिंह द्वारा की गई। उनकी गिनती देश प्रदेश के उन आईपीएस अधिकारियों में की जाती है जो अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करते हैं।

भामाशाह ने बालिका विद्यालय में चरण पादुकाए वितरण की गई

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल कस्बे के उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय मे जिला कलेक्टर नमित मेहता द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छ विद्यालय स्वच्छ विद्यालय कार्यक्रम के अन्तर्गत नाडोल मे भामाशाह ओगडचंद पुत्र देवाराम सीरवी आईजी भवन नाडोल ने जरूरतमद 105 छात्राओ को चरण पादुकाए वितरण कर बालिकाओ को स्वच्छता के बारे मे डॉ.देवेन्द्र गुर्जर ने आवश्यक जानकारी दी। इस विद्यालय में आदीवासी इलाके से कस्तुरबा आवासीय बालिका विद्यालय से भी बालिकाए अध्ययनरत है। राण्बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मे प्रेरक किरिट कुमार शाह, चिकित्सा प्रभारी देवेन्द्र गुर्जर,सांवलदास वैष्णव, गोविन्दलाल भाटी, वजाराम रांगी मेलनर्स कि माजुदगी मे कार्यक्रम किया। स्टॉफ बन्धुओ द्वारा भामाशाह एवं उपस्थित अतिथियों का माला एवं साफा पहना कर स्वागत किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य किस्तुरचन्द गर्ग, मांगीलाल गेहलोत, देदाराम मेघवाल, श्यामलाल यादव, अनिल, प्रकाश सोनी, एसनवर अली एवं समस्त स्ट्राफ सहित छात्राए उपस्थित थे। मंच संचालन मॉगीलाल गेहलोत ने किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

के/पश्चिम विभाग मनपा अंधेरी (प.) सहायक आयुक्त पृथ्वीराज चौहान के आदेशों की उड़ाई जा रही है धज्जिया?

ढाके कालोनी पर बड़े पैमाने पर दो मंजिला अनधिकृत सुपरमार्केट का नवनिर्माण जारी

मुंबई हलचल/अजय उपाध्याय

मुंबई। के/पश्चिम विभाग मनपा प्रभाग क्र.63 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत सीटीएस क्र.809/8 सावला गुडलक स्टोर के पीछे ढाके कालोनी जे.पी.रोड अंधेरी (प) में भुमाफियाओ द्वारा जारी अवैध बांधकाम का संरक्षणदाता मनपा के दुय्यम अभियंता प्रशांत तावड़े व सहायक अभियंता अशोक अदाते भ्रष्ट अधिकारी है जो मनपा सहायक आयुक्त पृथ्वीराज चौहान के आदेशों को हवा में उड़ा रहै है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक मनपा के/पश्चिम विभाग ईमारती व कारखाने विभाग द्वारा दिनांक 04.06.2022 को 354 स्टॉप वर्क नोटिस भी जारी किया गया है और दिनांक 16/6/22 व 18/6/2022 को तोड़क कार्रवाई भी की गई थी उसके बावजूद 2000 स्कवायरफिट में आरसीसी स्लैब डालकर दो मंजिला आलीशान सुपर मार्केट का काम पुनः कर लिया गया है। के/पश्चिम मनपा सहायकआयुक्त पृथ्वीराज चौहान द्वारा सभी नवनिर्मित अनधिकृत बांधकामो को स्थगन का आदेश दिया गया है किंतु मनपा सहायकआयुक्त के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए ढाके कालोनी पर बड़े पैमाने पर दो मंजिला अनधिकृत सुपरमार्केट का नवनिर्माण जारी है। बताया जा रहा है कि उक्त अवैध निर्माण को मनपा के ही दुय्यम अभियंता प्रशांत तावड़े सहायक अभियंता अशोक अदाते भ्रष्ट अधिकारी का आशीर्वाद प्राप्त है। देखना यह होगा कि मनपा सहायक आयुक्त पृथ्वीराज चौहान संरक्षण देने वाले भ्रष्ट अधिकारी की जांच कर उसे आदेशो की अवहेलना करने अथवा अवैध निर्माणों को संरक्षण देने के चलते निलंबित करेंगे या फिर संबंधित अधिकारी की पीठ थपथपाते हुए शाबासी देंगे?

चुनावी तैयारियों को लेकर नगर के अंदर सर गार्मियां तेज

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। 13 सितबर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद हेतु चुनावी तैयारियों को लेकर नगर के अन्दर सर गार्मियां तेज होती दिखाई दे रही है चुनावी उम्मीदवार अध्यक्ष एवं सभासद पद द्वारा वार्डों में घूमकर की जा रही हैं तैयारियां, नगरीय जनता अभी है खामोश! नगर पालिका परिषद अध्यक्ष एवं सभासद पद हेतु सियासी दलों द्वारा अग्रिम होने वाले नगर पालिका परिषद के चुनाव की तैयारियों में जुटें हुए हैं मौजूदा पालिका अध्य्क्ष द्वारा नगर के अन्दर बिजली सफाई व्यवस्था आदि का भ्रमण कर जायजा लिया जा रहा है इसी के साथ साथ आने वाले चुनाव में नगरीय जनता से अपने भर्षक प्रयासों के चलते वोट मांगे जाने के साथ साथ मौजूदा चैयरमैनी के कार्यकाल में कराये गये विकास कार्यों को उजागर करते हुए अवगत कराया जा रहा है फिल्हाल नगरीय जनता की तरफ से कोई सराहनीय विकल्प सामने नहीं आ सका है इसी क्रम को देखते हुए अन्य उम्मीदवार चैयरमैनी पद की दौड़ में जुटें हुए हैं सभी उम्मीदवार जनता के सामने अपने किये कार्यों की सराहना में लगे हुए हैं कोई कोतवाली का कार्य कराये जाने में मस्त है तो कोई नगरीय पंचायत कराये जाने में मस्त है इसी को लेकर अग्रिम चुनाव की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

बिस्फी प्रखंड बीईओ को शिक्षकों ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मधुबनी। परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विकास कुमार ठाकुर के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विमला कुमारी से मुलाकात की मौके पर एक ज्ञापन भी सौंपा अध्यक्ष ने कहा कि बिइओ से शिक्षकों की समस्याओं का निदान करने की मांग की गई वेतन वृद्धि की एडवाइस बनाने अंतर राशि अप्रैल 2021 से दिसंबर 2021 का अंतर राशि प्रपत्र जिला में जमा करने की मांग सभी शिक्षकों का सेवा पुस्तिका वापस करने की मांग की गई है वही डीपी एरियर का शीघ्र भुगतान करने और नवनियुक्त शिक्षकों का सेवा पुस्तिका बनाने कई शिक्षकों का ईपीएफ राशि जमा नहीं होने और अप्रशिक्षित शिक्षको का 15% प्रतिशत मैनुअल फिक्सेशन के साथ शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विमला कुमारी ने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि शिक्षकों की समस्याओं का जल्द ही समाधान कर दिया जाएगा इसके लिए विभाग पूरी इमानदारी और तत्परता से कार्य कर रही है मौके पर परिवर्तनकारी प्रारम्भिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विकास कुमार ठाकुर, प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार मंडल, सुधीर कुमार मंडल, संतोष कुमार मंडल, छोटे प्रसाद मंडल, ईश्वर कुमार, ललित कुमार महतो, वीरेंद्र कुमार, राहुल कुमार मोहम्मद पिनटू श्री नारायण, नरेश कुमार, सज्जन यादव, मौलाना जेयाउररहमान, शाहिद अख्तर, देवनारायण जी औवेस अंसारी,सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

बिजली उपभोक्ता के घर नई प्रीपेड मीटर हटाकर पुरानी मीटर लगाई जाए

मधुबनी। जन कल्याण मंच के प्रतिनिधि गण सामूहिक नेतृत्व में क्षेत्रीय विद्युत कार्यालय लाल बाग में उप महाप्रबंधक को प्रीपेड मीटर से हो रही समस्या से अवगत करवाया। बहुत ही सौहार्द पूर्ण माहौल में वार्ता हुई। निष्कर्ष ये निकला किसी भी पांच दस बिजली उपभोक्ता के घर पुरानी मीटर नई प्रीपेड मीटर दोनो को एक साथ संयुक्त कनेक्सन देकर एक सप्ताह का तुलनात्मक बिजली खपत का अध्यन करेंगे। विसंगति पाये जाने पर पुरानी मीटर व्यवथा लागू रहेगी ऐसा निर्णय हमलोगों ने लिया। जब तक समिति को संतुष्ट नही कर देते है कि प्रीपेड मीटर में अधिक बिल नही आ रही है तब तक नया प्रीपेड मीटर नही लगे ऐसा अग्रहः हमलोग का था। आप सभी उपभोक्ता संस्था को शक्ति प्रदान करेंगे तो ये लुटेरा मीटर से मुक्ति निश्चित है। आपको तय करना है जुर्म सहेंगे या जुर्म के खिलाफ आवाज लगाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जानें, हर दिन कितने बाल टूटना hairfall की कैटिगरी में आता है

त्वचा, बाल और वजन तीन ऐसी चीजें हैं जिसे लेकर लोग सबसे ज्यादा चिंता करते हैं क्योंकि ये तीनों चीजें हमारी पर्सनैलिटी का सबसे अहम हिस्सा है। हर रोज सुबह जब आप अपने हेयरब्रश को देखती हैं तो उसे देखते ही कई बार आपको लगता है कि आपके बाल अनहेल्दी हो गए हैं और उन्हें एक्स्ट्रा केयर और अटेंशन की जरूरत है।

कई बार आपने भी यह बात नोटिस की होगी कि हेयरब्रश से लेकर बाथरूम तक हर जगह टूटे बाल बिखरे नजर आते हैं तो हमें लगने लगता है कि हम हेयरफॉल का शिकार हो रहे हैं। हालांकि एक लिमिटेड अमाउंट में हेयर लॉस सामान्य बात है और उसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं। एक्सपर्ट्स की मानें तो हर रोज 50 से 100 बाल टूटना बिल्कुल सामान्य है और इसके लिए किसी भी तरह से चिंता करने की बात नहीं है।

नॉर्मल हेयर फॉल क्यों होता है

जब भी बाल धोते हैं उस समय जो भी बाल स्कैल्प से थोड़ी कमजोरी से जुड़े होते हैं वे टूट जाते हैं। हेयरब्रश या कंघी करते समय जब बालों को सुलझाने के लिए बालों को खींचा जाता है तो उससे भी बाल टूटते हैं, इस तरह से बालों का टूटना बिल्कुल सामान्य बात है। अलग-अलग हेयर स्टाइल करने से भी कई बार बाल टूटते हैं। प्रेग्नेंसी, पीरियड्स के समय भी महिलाओं में हेयर फॉल की समस्या होती है। इन सारी वजहों से दिनभर में आपके 50 से 100 बाल टूटते हैं, जो कि बिल्कुल नॉर्मल है। अगर आपके इतने ही बाल रोज टूट रहे हैं तो परेशान न हों।

ज्यादा बोलों का टूटना है चिंता का विषय

अगर आपके बाल एकसाथ गुच्छे में टूट रहे हैं और आपकी स्कैल्प पर बॉल्ड पैचेज दिख रहे हैं तो ये चिंता की वजह होनी चाहिए। इस तरह के हेयरफॉल के पीछे कहीं न कहीं हेल्थ से जुड़ी वजहें होती हैं और इसके लिए आपको गंभीर होकर सोचने की जरूरत है। इस तरह से हेयर फॉल होना किसी भी खतरनाक बीमारी का शुरुआती लक्षण हो सकता है। कई मामलों में तो ऐसा होता है कि सिर के बाल के साथ-साथ आपके बॉडी के सारे बाल टूट जाते हैं ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना काफी जरूरी होता है। इसके अलावा मेडिकेशन, स्ट्रेस, और मेंटल हेल्थ के कारण भी काफी ज्यादा मात्रा में बाल टूटते हैं। ऐसे में अगर हेयर फॉल कम न हों तो डॉक्टर से सलाह लें।

दांतों को खराब होने से रोकती है ब्लबूरी: स्टडी

अगर आप चाहते हैं कि आपके दांत मजबूत और हेल्दी बने रहें तो आज से ही अपने डायट में क्रेनबेरी और ब्लूबेरी शामिल कर लीजिए। दरअसल एक स्टडी में वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि क्रेनबेरी और ब्लूबेरी में मौजूद पोषक तत्व दांतो को कई तरह के हानिकारक बैक्टीरिया से बचाते हैं और उन्हें खराब होने से भी रोकते हैं।

ब्लूबेरी और क्रेनबेरी पॉलिफिनॉल्स से भरपूर होते हैं, जोकि बायॉऐक्टिव मॉलिक्यूल्स के रूप में बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं। इसकी वजह ने दांत खराब नहीं होते और प्लेक व गम डिजीज से भी निजात मिलती है। यह स्टडी यूरोपियन जर्नल ऑफ ओरल साइंसेज में प्रकाशित की गई है, जिसमें सामने आया कि रोजाना मुट्ठीभर ब्लैकबेरी और क्रेनबेरी खाने से दांतो की सेहत बरकरार रखी जा सकती है।

इन 4 घरेलू उपायों से पाएं चमकते सफेद दांत

इन डार्क कलर की बेरीज में प्रचुर मात्रा में ऐंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं और पानी व फाइबर के अलावा अन्य पोषक तत्व भी पर्याप्त मात्रा में प्रदान करते हैं। हालांकि इनमें नैचरल शुगर का भी हाई डोज हो सकता है।

Lungs Stroke रोकने में कारगर हो सकती है विटमिन डी की गोलियां

विटमिन डी युक्त अनुपूरक आहार फेफड़े की बीमारी क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मनरी डिजीज उ्रडउ्रसे पीड़ित मरीजों में जानलेवा आघात यानी स्ट्रोक के खतरे को कम कर सकता है। एक नये अध्ययन में ऐसा दावा किया गया है। ब्रिटेन की क्वीन मेरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के इस अनुसंधान ने विटमिन डी के स्वास्थ्य लाभों की सूची में एक और फायदा जुड़ गया है।

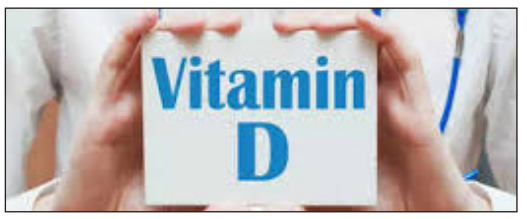

हड्डियों की सेहत के लिए बेहद जरूरी है विटमिन डी

विटमिन डी का मूल स्रोत सूरज की रोशनी है। हालांकि विटमिन डी की गोलियां, डेयरी उत्पाद, मछली और कुछ फोर्टिफाइड अनाजों से भी इस विटमिन की कमी पूरी की जा सकती है। विटमिन डी को यूं तो हड्डियों की सेहत के लिए खास तौर पर जाना जाता है लेकिन पूर्व के अध्ययनों में इसे जुकाम, फ्लू और दमा का दौरा रोकने में भी सक्षम बताया गया। साथ ही इसे कुपोषित बच्चों में वजन बढ़ाने एवं मस्तिष्क विकास के लिए भी सहायक बताया गया।

COPD मरीजों में लंग्स स्ट्रोक की आशंका 45 प्रतिशत

अनुसंधान में पाया गया कि विटमिन डी अनुपूरक आहारों के इस्तेमाल से सीओपीडी मरीजों में फेफड़े का दौरा पड़ने की आशंका को 45 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। उडढऊ से पीड़ित मरीजों में विटमिन डी की कमी होती है। हालांकि जिन मरीजों में विटमिन डी का स्तर अधिक था उनमें कोई खास फायदा नहीं देखा गया। फेफड़े की बीमारियों से होने वाली लगभग सभी मौत फेफड़े का दौरा पड़ने से ही होती है। यह अध्ययन थोरेक्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

मानसिक सेहत के लिए खतरनाक है इंस्टाग्राम, जानें कैसे

आजकल युवा अपना ज्यादातर वक्त सोशल मीडिया पर गुजारते हैं। इंस्टाग्राम से लेकर फेसबुक, वॉट्सऐप पर स्टेट्स चेक करना, फोटोज व मेसेजेस भेजना उनकी आम दिनचर्या में शामिल है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इंस्टाग्राम का इस्तेमाल आपकी मानसिक सेहत के लिए बेहद खराब है?

ऐसा हाल ही में हुई एक स्टडी में सामने आया है। रॉयल सोसाइटी फॉर पब्लिक ऐंड यंग हेल्थ मूवमेंट द्वारा की गई एक स्टडी के मुताबिक, इंस्टाग्राम मानसिक सेहत के लिए बेहद खराब है, जबकि इस मामले में स्नैपचेट दूसरे नंबर पर है। इस सर्वे के लिए, यूके में रह रहे 1,500 किशोरों ने 5 सबसे ज्यादा पॉप्युलर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स को रेटिंग देने के लिए कहा गया था। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, यूट्यूब और ट्विटर शामिल थे। इनका किशोरों की नींद, ऐंगजाइअटी, डिप्रेशन, फिअर ऑफ मिसिंग आउट और बॉडी इमेज पर क्या फर्क पड़ता है, इसके आधार पर इन्हें रेट किया जाना था।

इन ऐप्स के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के आधार पर रेटिंग की गई थी। इन सभी 5 ऐप्स में इंस्टाग्राम को सबसे खतरनाक ऐप माना गया। इंस्टाग्राम के बारे में सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह लड़कियों और महिलाओं के अंदर उनकी ही इमेज और बॉडी लुक के लिए इनसिक्योर बना देता है। इसकी वजह है फोटोशॉप्ड तस्वीरें। पर्फेक्ट दिखने के लिए इंस्ट्राग्राम का किशोरों और युवाओं पर इस कदर प्रभाव है कि वे सोशल मीडिया पर फोटोज को पोस्ट करने के लिए खासतौर से फोटोज क्लिक करते हैं और उन्हें फिल्टर करने में काफी वक्त जाया करते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महिमा चौधरी ने पहले की इंडस्ट्री को लेकर किया बड़ा खुलासा

बी टाउन की ये चकाचौंद भरी जिंदगी बाहर से जितनी खूबसूरत लगती है, अंदर से उतनी ही खोखली और गहरी है। ये सारी बाते कहीं न कहीं हम सब जानते है, लेकिन जब इंडस्ट्री में से ही कोई ऐसा बात करता है तो हम सोचने पर मजबूर हो जाते है। एक मीडिया इंटरव्यू में एक बार महिमा चौधरी ने इस फिल्मी दुनिया के बारे में ऐसे खुलासे किए थे, जिसे सुनकर आप भी सोचने को मजबूर हो जाएंगें। एक मीडिया इंटरव्यू में महिमा चौधरी ने कहा था कि बॉलीवुड पहले की तुलना में अब काफी बदल चुका है। पहले बॉलीवुड मेल डॉमिनेंट हुआ करता था, लेकिन अब बॉलीवुड में वीमेन सेंट्रिक फिल्में काफी बनने लगी हैं। फीमेल ऐक्ट्रेस को अब पहले की तुलना में बड़े रोल ऑफर होने लगे हैं, जिसके लिए उन्हें बड़े से बड़ी रकम ऑफर होती है। महिमा ने कहा कि आज किसी एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ का उसके करियर पर असर नहीं पड़ता है, लेकिन पहले ऐसा नहीं था। महिमा चौधरी ने कहा कि पहले ऐसी एक्ट्रेस चाहिए होती थी जो वर्जिन हो और किसी को कभी किस भी न किया हो। पहले अगर कोई एक्ट्रेस किसी को डेट कर रही होती थी तो लोग कहते थे कि अरे ये तो डेट कर रही है। महिमा ने इसके साथ ये भी कहा कि पहले तो अगर किसी एक्ट्रेस की शादी हो जाती थी तो उसे काम मिलना ही बंद हो जाता था और अगर किसी के बच्चे हैं तो समझो उनका करियर हमेशा के लिए खत्म। महिमा की बातों से इतना तो साफ है कि पहले ये फिल्मी दुनिया शायद फीमेल एक्ट्रेसस के लिए आज की तुलना में इतनी अच्छी नहीं थी।

पाकिस्तानी एक्टर संग नाम जोड़ने पर भड़की ऋचा चड्ढा

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा इन दिनों अपनी फिल्मों की बजाय अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। ऋचा पिछले काफी वक्त से फुकरे फेम अली फजल को डेट कर रही हैं अब जल्द ही दोनों शादी के बंधन में भी बंधने वाले हैं। दोनों पहले ही शादी करने वाले थे मगर कोविड महामारी की वजह से उस समय दोनों की शादी टल गई थी। हालांकि अब खबर है कि दोनों अगले महीने अक्टूबर में शादी करने जा रहे है। शादी की खबरों के बाद से ही ऋचा और अली का नाम सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। मगर इसी बीच गलती से एक सोशल मीडिया यूजर ने ऋचा के साथ पाकिस्तानी सिंगर और एक्टर अली जफर को टैग कर दिया था। जिस पर एक्ट्रेस का रिएक्शन सामने आया है। ऋचा चड्ढा ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को अली फजल और अली जफर के बीच का फर्क समझाया है। एक ट्विटर यूजर के ट्वीट जवाब देते हुए ऋचा चड्ढा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है, अली जफर पाकिस्तानी सिंगर और एक्टर हैं, जो कि पहले से शादीशुदा हैं। इस पर एक अन्य यूजर ने लिखा है, इससे अच्छा गुड्डू भैया लिख देते। खबरों की मानें तो ऋचा और अली फजल 6 या 7 अक्तूबर को शादी करने वाले हैं।

'ब्रह्मास्त्र पार्ट 2' में नजर आ सकते है रणवीर और आमिर

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के प्रदर्शन को देख अब मेकर्स और स्टार कास्ट काफी खुश नजर आ रहे है। इसी बीच अब फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर कई सारी बातें भी होने लगी है। इन दिनों फिल्म निर्माता करण जौहर के इंस्टाग्राम से एक तस्वीर काफी वायरल हो रही है, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, शाहरुख खान, आमिर खान नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ करण के कैप्शन पर सबकी नजरें अटक गई। हालांकि ये तस्वीर साल 2018 में करण के घर हुई पार्टी के दौरान क्लिक हुई थी, लेकिन अब इस पोस्ट के कैप्शन ने लोगों के बीच खलबली मचा दी है। तस्वीर के साथ करण कैप्शन में लिखते है, अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर। करण उस वक्त फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' की बात करे रहे थे। रणबीर कपूर, शाहरुख खान, और आलिया भट्ट तो 'ब्रह्मास्त्र' के पहले पार्ट में है, लेकिन फोटो में रणवीर सिंह, आमिर खान और दीपिका पादुकोण भी नजर आ रही है, जिसे देखकर अब कई लोग ये कयास लगा रहे है कि शायद फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के दूसरे पार्ट में रणवीर सिंह, आमिर खान और दीपिका पादुकोण नजर आने वाले है, इसलिए करण ने इस सितारों से साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के ब्लाकबस्टर होने की बात कही थी। दीपिका पादुकोण के तो पहले ही फिल्म के दूसरे पार्ट में होने की चर्चा तेज है। कुछ लोगों का मानना है कि फिल्म के पहले पार्ट में दीपिका पादुकोण की एक झलक दिखाई गई है, लेकिन दूसरे पार्ट में वो लीड रोल में नजर आने वाली है।